घोड़े और मनुष्य का रिश्ता बहुत पुराना है

घोड़े को पालतू बनाया जाना मानव इतिहास की एक प्रमुख घटना है। ताज़ा अनुसंधान से लगता है कि हम जितना सोचते थे, यह घटना ज़रूर उससे पहले हुई होगी।

संभवतः कज़ाकिस्तान का घास का मैदान वह जगह हो सकती है जहां मनुष्य ने पहली बार घोड़े पर सवारी की थी। इसके साथ ही यातायात का एक प्रमुख साधन मनुष्य के हाथ लगा था।

यू.के. के एक्सेटर विश्वविद्यालय के एलेन आउट्रैम का कहना है कि घोड़े को पालतू बनाया जाना मानव इतिहास में लगभग उसी तरह मील का एक पत्थर था जिस तरह पहिए की खोज को माना जाता है।

एलेन और उनके साथियों ने कज़ाकिस्तान की बोताई मानव बसाहटों में अस्तबल खोज निकाले हैं। ये करीब 3500 ईसा पूर्व के हैं। अर्थात घोड़े को पालतू बनाने का काम हमारे वर्तमान अनुमान की अपेक्षा 1000 साल पहले हो गया था।

टीम ने ऐसी चार बस्तियों से प्राप्त हड्डियों का अध्ययन किया। इनमें 90 प्रतिशत से ज़्यादा घोड़ों की हड्डियां थीं। इन जानवरों के दांत जिस ढंग से घिसे हैं उससे लगता है कि इन्हें लगाम कसी जाती थी।

अनुसंधान दल को वहां के बर्तनों पर घोड़ी के दूध की वसा के अवशेष भी मिले हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि बोताई के लोग घोड़ी के दूध का भी उपयोग करते थे। ***(स्रोत फीचर्स)***